

Obsah

| | |
|---|-----|
| Předmluva | 5 |
| Česká Lípa | 6 |
| <i>Rané dětství</i> | 6 |
| <i>Moje rodina</i> | 11 |
| <i>Židovské příbuzenstvo</i> | 14 |
| <i>Život v České Lípě.</i> | 17 |
| <i>Křesťanské příbuzenstvo.</i> | 21 |
| <i>Bratr a já</i> | 24 |
| <i>Náš Max</i> | 29 |
| <i>Život naší rodiny</i> | 33 |
| <i>Němci a Češi</i> | 36 |
| Útěk z České Lípy | 44 |
| <i>Svatá Kateřina</i> | 46 |
| <i>Vesnice a její obyvatelé.</i> | 50 |
| <i>Vesnická mládež.</i> | 54 |
| <i>Edita.</i> | 56 |
| <i>Protektorát Čechy a Morava</i> | 58 |
| <i>Křest</i> | 64 |
| <i>Lux a Kozděrka</i> | 66 |
| <i>Žákazy a diskriminace.</i> | 71 |
| <i>Gestapo</i> | 83 |
| <i>Domovní prohlídky</i> | 85 |
| <i>Sám s matkou</i> | 88 |
| Do Terezína | 92 |
| <i>V chlapeckém domově</i> | 94 |
| <i>Broučci</i> | 100 |
| <i>Červený kříž</i> | 103 |
| <i>Propuštění na svobodu</i> | 105 |
| <i>Matčiny zážitky</i> | 106 |

| | |
|--|-----|
| <i>Opět spolu</i> | 108 |
| <i>Ždeňčiny zážitky</i> | 110 |
| <i>K poválečnému vysídlení Němců</i> | 112 |
| Praha | 115 |
| <i>Politické poměry</i> | 118 |
| <i>Na vysoké škole</i> | 121 |
| <i>V zaměstnání</i> | 123 |
| <i>Sovětská okupace</i> | 129 |
| Uprchlíkem ve Švýcarsku | 131 |
| <i>První kroky</i> | 131 |
| <i>V cizině</i> | 137 |
| <i>Terra incognita</i> | 144 |
| <i>Bratr Klaus</i> | 150 |
| <i>Závěr</i> | 154 |
| Staré české sklo | 156 |
| Život s hudbou | 161 |
| Doslov | 167 |
| Rodokmen z otcovy strany | 170 |
| Rodokmen z matčiny strany | 171 |